दूर शिक्षा निदेशालय

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम - पत्रकारिता में स्नातकोत्तर(एम.जे.)

सत्र : 2017-18, एक वर्षीय पाठ्यक्रम

क्र.	प्रश्नपत्र कोड	विषय
1	MJ 101	जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन
2	MJ 102	फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन
3	MJ - 103	जनसंचार शोध प्रविधि
4	MJ - 104	जनसंचार के सिद्धांत
5	MJ 105	विशेषीकृत पत्रकारिता एंव समाज
6	MJ 106	न्यू मीडिया प्रोडक्शन
7	MJ 107	न्यू मीडिया एवं समाज

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

गांधी हिल्स, वर्धा – 442001(महाराष्ट्र) भारत

नोट – सभी विद्यार्थी सत्रीय कार्य अंतिम तिथि तक संबंधित केंद्र जहां कि विद्यार्थी ने प्रवेश लिया है अवश्य जमा कर दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 30 अप्रैल2018, सायं 05:00 बजे तक

सत्रीय कार्य (Assignment)2017-18

क्र.	प्रश्नपत्र कोड	विषय
1	MJ 101	जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन
2	MJ 102	फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन
3	MJ - 103	जनसंचार शोध प्रविधि
4	MJ - 104	जनसंचार के सिद्धांत
5	MJ 105	विशेषीकृत पत्रकारिता एंव समाज
6	MJ 106	न्यू मीडिया प्रोडक्शन
7	MJ 107	न्यू मीडिया एवं समाज

सत्रीय कार्य का प्रारूप -

दूरशिक्षा के अंतर्गत अध्ययनरत एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार, प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को उपरोक्त विषयों के सत्रीय कार्य पूर्ण करने हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए निम्नलिखित प्रारूप में सत्रीय कार्य(चार लघु उत्तरीय व एक दीर्घ उत्तरीय कार्य) करना होगा –

सत्रीय कार्य कोड – एमजेएमसी 1/2015-16 कुल अंक : 30 (20+10)

1- लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04,
प्रत्येक हेतु अधिकतम अंक05 अर्थात (04 × 05 = 20)

2- लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) – कुल संख्या : 01,
अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)

नोट – सभी विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य को पूर्ण करने के लिएदूर शिक्षा निदेशालय द्वारा पाठ्यचर्या की उपलब्ध पुस्तक/पुस्तिका/पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात लेखन कार्य करेंगे। प्रत्येक सत्रीय कार्य निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करेंगे । यह सत्रीय कार्य पाठ्य सामग्री, अन्य पुस्तक व संदर्भ द्वारा विकसित समझ और ज्ञान के आधार पर लिखना होगा ।इस लेखन में विषयवस्तु के अंतर्गत ऐतिहासिक संदर्भ,अवधारणात्मक पहलू , समकालीन स्थितियों के साथ विभिन्न दृष्टिकोण, आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य और विश्लेषण का समावेश हो तथा उदाहरण सहित उल्लिखित किया जाना चाहिए जिससे विषय की प्रासंगिकता स्पष्ट दिखे ।

सत्रीय कार्य हेतु निर्देश -

१- सत्रीय कार्य लेखन के प्रथम पृष्ठ पर अध्ययन केंद्र का नाम, पाठ्यक्रम कोड,पाठ्यक्रम का नाम,अनुक्रमांक,सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र/विषय/शीर्षक का नाम निम्नलिखित प्रारूप में लिखेंगे ।

२- अपना नाम, दर्शाया गया/पत्राचार का पता, दिनांक सहित हस्ताक्षर अवश्य उल्लेखित कीजिए ।

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

सत्रीय कार्य (Assignment)2017-18

पाठ्यक्रम - पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (एम.जे.)
सत्र : 2017-18, एक वर्षीय पाठ्यक्रम

अध्ययन केंद्र का नाम - .....

पाठ्यक्रम कोड - .....

पाठ्यक्रम का नाम - .....

अनुक्रमांक- .....

सत्रीय कार्य/विषय का नाम - .....

दिनांक -
स्थान -

हस्ताक्षर
(विद्यार्थी का नाम)

अभ्यर्थी का नाम - .....

पता - .....

.....

.....

क्रम	प्रश्नपत्र कोड	प्रश्नपत्र का नाम
1	MJ - 101	**MJ 101** **जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन -1** **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** प्रश्न 1- टेलीविजन तथा रेडियो के लिए रिपोर्टिंग में क्या समानताएं और भिन्नताएं हैं? प्रश्न 2 - रेड़ियो के प्रमुख कार्यकमों हेतु प्रस्तुतीकरण की तकनीक को स्पष्ट कीजिए। प्रश्न 3 - इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए विज्ञापन -लेखन कॉपी की आवश्यकक्ता को उदाहरण सहित समझाइए. प्रश्न 4 - जनसंर्पक का बुनियादी उद्देश्य और अवधारणा क्या है? **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) – कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** प्रश्न 1- कॉपी तैयार करते समय संपादन के साथ अन्य सहायक कार्यों की आवश्यकता रहती है। उन सहायक कार्यों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
2	MJ - 102	**MJMC 102** **फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन-02** लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20) प्रश्न 1. फीचर के तत्वों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। प्रश्न 2. फिल्म पत्रकारिता की प्रासंगिकता और वर्तमान स्वरूप बतलाएं. प्रश्न 3. विशेष विषयक (विशेषांक) पत्रिका से आप क्या समझते हैं ? प्रश्न 4. रेडियो नाटक पर संक्षेप में टिप्पणी कीजिए। दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द)– कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10) प्रश्न 1 . समाचारपत्र के सांस्थानिक प्रबंधन की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए। संपादकीय प्रबंधन क्यों आवश्यक है, स्पष्ट करें.

3	**MJ- 103**	MJ - 103 जनसंचार शोध प्रविधि **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** प्रश्न 1. जनसंचार शोध के अर्थ, परिभाषा और आशय को स्पष्ट कीजिए .सामाजिक दृष्टि से इस प्रकार के शोध की प्रासंगिकता को उल्लेखित कीजिए। प्रश्न 2. जनसंचार शोध प्रविधि के विभिन्न रूपों की विवेचना कीजिए. प्रश्न 3. शोध प्रक्रिया के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए. प्रश्न 4. शोध परिकल्पना से क्या अभिप्राय है ? परिकल्पना तैयार करने हेतु आवश्यक पहलुओं को स्पष्ट कीजिए। दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द)– कुल संख्या: 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10) प्रश्न 1. शोध प्रक्रिया के प्रमुख चरण को बतलाइए। व्यवस्थित शोध हेतु शोध चरण की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।
4	**MJ –104**	MJ - 104 **जनसंचार के सिद्धांत** **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** प्रश्न 1. जनसंचार की अवधारणाऔर प्रमुख तत्वो को संक्षेप में लिखें। प्रश्न 2. प्रसार भारती अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों को उल्लेखित कीजिए। प्रश्न 3. प्रचार और जनमत में अंतर स्पष्ट कीजिए. प्रश्न 4. जनसंचार की प्रक्रिया एक गतिशील प्रक्रिया है, इस कथन की व्याख्या करें। **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) – कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** प्रश्न 1. जनसंचार के सिद्धांतों का महत्व बताते हुए किसी दो सिद्धांतों की तुलना और उसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।

5	MJ – 105	MJ 105 विशेषीकृत पत्रकारिता एंव समाज **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** प्रश्न 1 पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पर्यावरण पत्रकारिता का महत्व एंव चुनौतियों पर विचार करें. प्रश्न 2 स्वास्थ्य एंव ग्रामीण विकास में सामुदायिक रेडियो की भूमिका स्पष्ट करें. प्रश्न 3न्यायिक निर्णयों की निष्पक्ष आलोचना और न्यायालय अवमानना को स्पष्ट करें. प्रश्न 4लोकतंत्र में सामाजिक आंदोलन और मीडिया की भूमिका पर अपने विचारों को प्रासंगिक मुद्दों से जोड़कर लिखें. **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) – कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** प्रश्न 1भारतीय समाज में विभिन्न दर्शक वर्ग पर मीडिया किस प्रकार प्रभावित करता है ? आदिवासी महिला बच्चों के विशेष संदर्भ में अपना मत दें.
6	MJ – 106	MJ 106 न्यू मीडिया प्रोडक्शन **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** प्रश्न 1 ऑनलाइन जर्नलिज्म में रोजगार के अवसरपर टिप्पणी करें. प्रश्न 2 डिजिटल अभिव्यक्ति की नई क्रांति ब्लॉग, सोशल मीडिया की चुनौतियों और संभावनाओं को उल्लेखित कीजिए . प्रश्न 3 समाचार संकलन एंव संपादन में विभिन्नआचार संहिताओं के महत्व को स्पष्ट कीजिए . प्रश्न 4 फिल्म निर्देशन के अनेक चरण को बतलाते हुए वर्तमान में प्रचलित वीडियो एडिटिंग तकनीक के बारे में लिखें. **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) – कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** प्रश्न 1कैमरें के विभिन्न शॉट को बतलाइए। विषिष्ट शॉट के लिए प्रयुक्त लाइटिंग के प्रकार तथा उसकी तकनीक को उल्लेखित कीजिए।

7	MJ - 107	MJ 107 न्यू मीडिया और समाज **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** **श्न सं. 1** डिजिटल युग और वर्चुअल रियलिटी को स्पष्ट कीजिए। **श्न सं. 2**सामाजिक संदर्भ में न्यू मीडिया की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए। **श्न सं. 3**सोशल मीडिया के आलोचनात्मक पहलू उल्लेखित कीजिए। **श्न सं. 4** ऑनलाइन सेवाएं और विज्ञापन पर समालोचनात्मक दृष्टि से विचार प्रकट कीजिए। **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) – कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** **श्न सं. 1** कम्प्यूटर तकनीक की विकास यात्रा व प्रमुख घटनाक्रम पर निबंध लिखें.

दूर शिक्षा निदेशालय

परियोजनाकार्य

पाठ्यक्रम - पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (एम.जे.)

सत्र : 2017-18, एक वर्षीय पाठ्यक्रम

क्र.	प्रश्नपत्र कोड	विषय
1	**MJ 108**	**परियोजना कार्य**

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

गांधी हिल्स, वर्धा – 442001(महाराष्ट्र) भारत

नोट – सभी विद्यार्थी परियोजना कार्य अंतिम तिथि तक संबंधित केंद्र जहां कि विद्यार्थी ने प्रवेश लिया है, अवश्य जमा कर दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 25 मई 2018

परियोजना कार्य का प्रारूप -

दूरशिक्षा के अंतर्गत अध्ययनरत एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार, एक वर्षीय पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को प्रश्नपत्र MJ 108 के अंतर्गत परियोजना कार्य पूर्ण करना है। परियोजना कार्य का मूल्यांकन 100 अंक का होगा। यह परियोजना इस पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्र संख्या MJ 103 अर्थात शोध प्रविधि के अध्ययन और मानक के अनुसार संपन्न किया जाना है। परियोजना का प्रारूप शोधपरक विषय के अंतर्गत विभिन्न शोध प्रविधियों व उपकरणों के उपयोग द्वारा किया जाएगा।

नोट – सभी विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि यह परियोजना कार्य पाठ्यसामग्री, अन्य पुस्तक व संदर्भ द्वारा विकसित समझ और ज्ञान के आधार पर लिखना होगा । इस लेखन में विषय वस्तु के अंतर्गत ऐतिहासिक संदर्भ, अवधारणात्मक पहलू , समकालीन स्थितियों के साथ विभिन्न दृष्टिकोण, आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य और विश्लेषण का समावेश हो तथा उदाहरण सहित उल्लिखित किया जाना चाहिए जिससे विषय की प्रासंगिकता स्पष्ट दिखे ।

परियोजना कार्य

एम.जे पाठ्यक्रमकाप्रश्नपत्र -108 एक परियोजना कार्य है। आप अपनी पसंद के एक विषय पर परियोजना कार्य कर सकते है । परियोजना कार्य, पत्रकारिता(जनसंचार) में एम.जे पाठ्यक्रम में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह एक ऐसा अप्रत्यक्ष तरीका है जिसके माध्यम से आपको मीडिया से संबंधित व्यवस्थित रूप से नई जानकारी मिलने में मदद मिलेगी । यह नए तथ्य एकत्र करने, उनकी तालिका बनाने, विश्लेषण करने और उपलब्धियों पर विचार-विमर्श करने की व्यवस्थित पद्धति है। परियोजना कार्य के द्वारा आपको मीडिया से संबंधित क्षेत्र की कुछ समस्याओं को अच्छी तरह से जानने में मदद मिलेगी । परियोजना कार्य के अन्त में आपको परियोजना रिपोर्ट लिखनी होती है ।

परियोजना कार्य के विभिन्न चरण

परियोजना कार्य को पूरा करने में कुछ चरण शामिल हैं-

1.विषय का चयन:-

किसी भी शोध कार्य के लिए पहला चरण, विषय का चयन होता है। हमारी सलाह है कि आप ऐसा विषय चुनिए जिसके अपेक्षित संसाधन आपको उपलब्ध हों। शीर्षक चुनने का एक तरीका यह होगा कि आप एम.जे पाठ्यक्रम की पाठ्यक्रम सामग्री में दी हुई विभिन्न इकाईयों का अध्ययन करें। ये इकाईयां आपको विस्तृत विकल्प प्रदान करेंगी, जिसके आधार पर आप ग्राम विकास से संबंधित किसी भी पहलू का अध्ययन कर सकते हैं। ऐसा विषय चुनिए जो आप की रूचि का हो, अति महत्वाकांक्षी नहीं हों ।

2.आंकड़ा संग्रहण के साधन तैयार करना:-

एम.जे पाठ्यक्रम के विद्यार्थी अनुभव जन्य (आनुभाविक) अध्ययन कर सकते हैं। अनुभव जन्य अध्ययनों में आप साक्षात्कार,अनुसूची, साक्षात्कार गाइड और प्रेक्षण जैसे साधनों का प्रयोग कर सकते हैं।

3.आंकड़ा संग्रहण :-

एम.जे पाठ्यक्रम का एक उद्देश्य यह है कि मीडिया से संबंधित क्षेत्रों के व्यवहारिक ज्ञान से आप परिचित हो सकें, उनकी समस्याओं को जान सकें और अपनी जानकारियों में नये ज्ञान का समावेश कर सकें। जब आपके पास आंकड़ा संग्रहण के साधन हो जाएं तो आप आंकड़ा संग्रहण का वास्तविक कार्य आरंभ कर सकते हैं। आप को अपने उत्तरदाताओं के साथ तालमेल स्थापित करना होगा और विस्तृत क्षेत्र नोट (Extensive Notes) तैयार करने होंगे। वांछित आंकड़ों को एकत्र करने के लिए आपको कई बार अपने अध्ययन क्षेत्र में जाना होगा। इससे आपको हतोत्साहित नहीं होना है । जितना अधिक परस्पर संपर्क होगा उतने अधिक अच्छे परिणाम होंगे ।

4.आंकड़ा विश्लेषण :-

परियोजना कार्य में आंकड़ा विश्लेषण बहुत ही महत्वपूर्ण चरण है। आपको अपनी अनुसूचियों और फील्ड नोट की संवीक्षा करनी चाहिए उन्हें ठीक करना चाहिए और प्रत्येक उत्तर के साथ उचित कोड देना चाहिए तथा संगणना एवं तालिका के लिए मुख्य चार्ट में इन्हें सावधानी पूर्वक अंकित करना चाहिए। तब तालिका कार्य पूरा हो जाए तो तालिका बद्ध आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग करना चाहिए। प्रेक्षण, साक्षात्कार गाइड और केस अध्ययनों के माध्यम से एकत्र की गई सूचना को सहायक साक्ष्य के रूप में प्रयोग करें।

5.परियोजना कार्य लेखन:-

आंकड़ा संग्रहण और तालिका पूरी करने के बाद आप परियोजना रिपोर्ट लिखें। परियोजना कार्य को निम्न शीर्षकों के अंर्तगत तैयार करना आवश्यक है।

a. **प्रस्तावना:-**

इस शीर्षक के अंतर्गत अपनी परियोजना के बारे में सक्षिप्त में संपूर्ण जानकारी देनी है।

b.अवधारणा:-

किसी भी परियोजना को करने से पूर्व शोधार्थी अपने विषय क्षेत्र से संबंधित एक धारणा निर्माण करता है, जो परियोजना कार्य की संपूर्णता के उपरांत सही या गलत दोनों तरह के निर्णय पर पहुँच सकती है। यहां उस क्षेत्र से संबंधित अवधारणा को रखना आवश्यक है।

c.अध्ययन क्षेत्र:-

परियोजना कार्य किस क्षेत्र को ध्यान में रखकर केंद्रित किया गया है, उसकी जानकारी देना भी परियोजना कार्य के लिए महत्वपूर्ण होता है।

d.शोध-प्रविधि:-

परियोजना कार्य के लिए उपयोग में लायी गयी शोध-प्रविधियों के बारे में इस शीर्षक के अंतर्गत जानकारी देना है।

e.अध्याय विभाजन:-

शोध परियोजना को विभिन्न अध्यायों के माध्यम से पूरी तरह व्यक्त किया जा सकता है एवं शोध से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों पर अलग-अलग अध्यायों में प्रकाश डाला जाता है।

प्रस्तावना

i) अध्याय - 1

ii) अध्याय - 2

iii) अध्याय - 3

iv) अध्याय - 4

f.विश्लेषण:-

इस अध्याय में शोध से संबंधित आंकड़ों या तथ्यों का विश्लेषण दिया जाना शोध को बेहतर बनाता है।

g. निष्कर्ष/उपसंहार:-

इस अध्याय में शोध को लेकर बनायी गयी अवधारणा के संबंध में क्या-क्या तथ्य सामने आये, यह शोध क्या लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो पाया या नहीं, इसका विश्लेषण करना आवश्यक है।

h. संदर्भ सूची:-

इस शीर्षक के अंतर्गत शोध के दौरान किन पुस्तकों, साहित्य, पत्र-पत्रिकाओं, डायरी आदि से तथ्यों का एकत्री करण किया गया है, उनका विवरण दिया जाना आवश्यक है।

परियोजना कार्य भेजना:-

60-70 पृष्ठों में डबल स्पेस में टाइप हुई रिपोर्ट अच्छी प्रकार जिल्द में बांधकर भेजनी होगी। रिपोर्ट का प्रथम पृष्ठ (संलग्न परिशिष्ट -1) के प्रारूप में होगा।

आप रिपोर्ट के में इस आवशयक एक घोषणा-पत्र (संलग्नपरिशिष्ट -2) प्रस्तुत करें कि किया गया कार्य, मूलकार्य है और किसी भी अध्ययन पाठ्यक्रम की शर्त को पूरा करने के लिए किसी भी विश्वविद्यालय या अन्य संस्था को पहले प्रस्तुत नहीं किया गया है।

परियोजना कार्य में विद्यार्थी की नामांकन संख्या, कार्यक्रम, नाम और पता अवश्य होना चाहिए। आपको परियोजना रिपोर्ट और स्वीकृत परियोजना प्रस्ताव की एक प्रति रखनी चाहिए। विश्वविद्यालय को भेजी गई रिपोर्ट, विद्यार्थी को लौटाई नहीं जाएगी।

दूर शिक्षा निदेशालय

एम.जे. एक वर्षीय पाठ्यक्रम

हेतु लघु शोध परियोजना कार्य

विषय:- .....

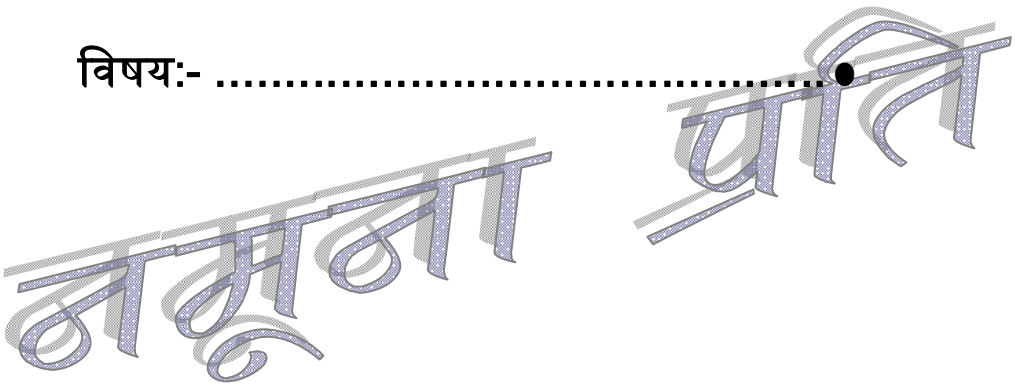

निदेशक

अमित राय

सहायक प्रोफेसर,दूर शिक्षा निदेशालय

प्रस्तुतकर्ता

शोधार्थी का नाम----------

सत्र ----------

पाठ्यक्रम ----------

नामांकन संख्या----------

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

परिशिष्ट-2

घोषणा

मैं एतद् द्वारा यह घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा को भेजा गया परियोजना कार्य जिसका शीर्षक ....है, एम.जे. एक वर्षीय पाठ्यक्रम का आंशिक भाग है और यह मेरा स्वयं का मूल कार्य है और किसी अन्य अध्ययन कार्यक्रम की शर्त को पूरा करने के लिए न तो दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा और न ही किसी अन्य संस्था को पहले भेजा गया है।

हस्ताक्षर

विद्यार्थी की नामाकंन संख्या.....

नाम और पता.....

स्थान

तारीख